SAEHI203

II Semester B.Com. Degree Examination, June/July - 2025
HINDI LANGUAGE
Kavya Patra Lekhan Aur Sankshepan
(SEP Scheme)

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

I. अनिम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक वाक्य या शब्द में लिखिए। **(10×1=10)**

1) सूरदास जी पर किसकी असीम कृपा थी?
2) विष्णु भगवान भक्त प्रहलाद को बचाने के लिए मौना सा शरीर धारण कर लिया था?
3) श्री कृष्ण क्या बजाते हुए आए?
4) वंदेमातरम का अर्थ क्या है?
5) भगवान विष्णु भीषण विध्वंस को बचाने के लिए कहा आए?
6) अकेली आवाज कविता के कवि का नाम और अनुवादक का नाम लिखिए।
7) रोटी बेलने किसका प्रतीक है?
8) व्यक्ति किसको अपनाकर ही संतोष पाना चाहिए?
9) तुम्हारी चिट दासी क्या हैं?
10) साजन दौड़ा दौड़ा कहाँ से आया?

II. किन्ही दो का संदर्भ स्पष्ट कीजिए **(2×7=14)**

1) घुटुनि चलत रेनू तनू मंडित, मुख दधि लेप किया
चारु कपोल, लोल लोचन, गोरीयन तिलक दिश।
लट लटकवि मनु मत मधुपर्क मादक मधुनि विश
कुठला कंठ वज्र केहरि नख राजत रुचिर हिरा।।

(अथवा)

असुवन जल सींचि सींचि प्रेम बेलि बीहि
अब ती बेल फैल गई आणँद फल होई।
दुध की मयणिया बर्ड प्रेम से बिलाई
माखन जब कादि लियो छाळ पिये मोई।
भगति देखि राजी हई जगत देखि रोई
दासी मीरा लाल गिरीधर तारो अब मीही।।

[P.T.O.

2) दुयोधन वह भी देना सका
आशीष समाज की लेन सका।
अलटे हरि को बाधने चला
जो था असाध्य, साधने चला।
जब नाउ मनुज पर छाता है
पहले विवेक मर जाता है।।

(अथवा)

मै रोटी बेलली ह जैसी पृथ्वी ज्वालामुखी बोलते है पहाड भूचाल बोलते है घा।
सन्नाटे शबद बोलते है भाटे समुंदर रोज सुबह सूरज मे एक नया उचकुन लगाकर।

III. किन्ही दो कविताओं का सारांश लिखकर विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **(2×15=30)**

1) कृष्ण की चेतावनी
2) अकेली आवाज
3) वंदेमातरम्

IV. किसी एक विषय पर टिप्पणी लिखिए। **(1×6=6)**

1) बसंत
2) छाया मत छुना मन

V. किसी एक पर पत्र लिखिए। **(1×10=10)**

1) दीपक पुस्तक केंद्र अवेन्यू रोड बेगलूरु की और से आनंद पुस्तक प्रकाशन **19** नई सड़क दिल्ली को एक सूची पत्र मांगते हुए पत्र लिखिए।

(अथवा)

2) अनिल इलेक्ट्रिकलस **713** राजाजीनगर, बेंगलोरु की और से जीवन इलेक्ट्रकलस, **10th** चांदनी चौक दिल्ली को घटिया माल भेजने पर एक शिकायती पत्र लिखिए।

VI. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण प्रस्तुत करें और उपयुक्त शीर्षक दे। **(1×10=10)**

भारत एक कृषि प्रधान शीर्षक देश है। लगभग 80% जनता गांवो में बसी हुई है। शताब्दियों से ये गाँव गरीबी अज्ञान एवं अंधविश्वास के बदानेवाल केंद्र रहे है। यही कारण है कि गांव वाले भाग्यवादी और निराशावादी बनकर जीवन–यापन करते है। राष्ट्र की अर्थिक समृध्दी तब तक संभव नही जब तक हम गांववालों की स्थिति मे सुधार न ही। इसलिए सरकार ने समुदाय–विकास योजन अपनायी है। यह आशा की जाती है कि इसे समुदाय विकास योजना का गाँववाले लाभ उठाएंगे और अपने आर्थिक और समाजिक स्थिति में सुधार लायेगें।